

DPN 6201

Title : अंग परीक्षा ANṢA PARĪKSĀ

Run. No. 6892

Cat. No.

Micro. No.

Subject ^{अङ्ग परीक्षा} / Palmistry songs

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 17.5 x 9.5

Folios 83 Lines (in a page) 8 irregular

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

लोकवत्त उपासक

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Lokavatta upāsaka

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu / cloth bound cover.

युक्त) नेपालको गुण वारिक्तिको
Multiplication table song
also included

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

20

15

10

5

0

CMS

5

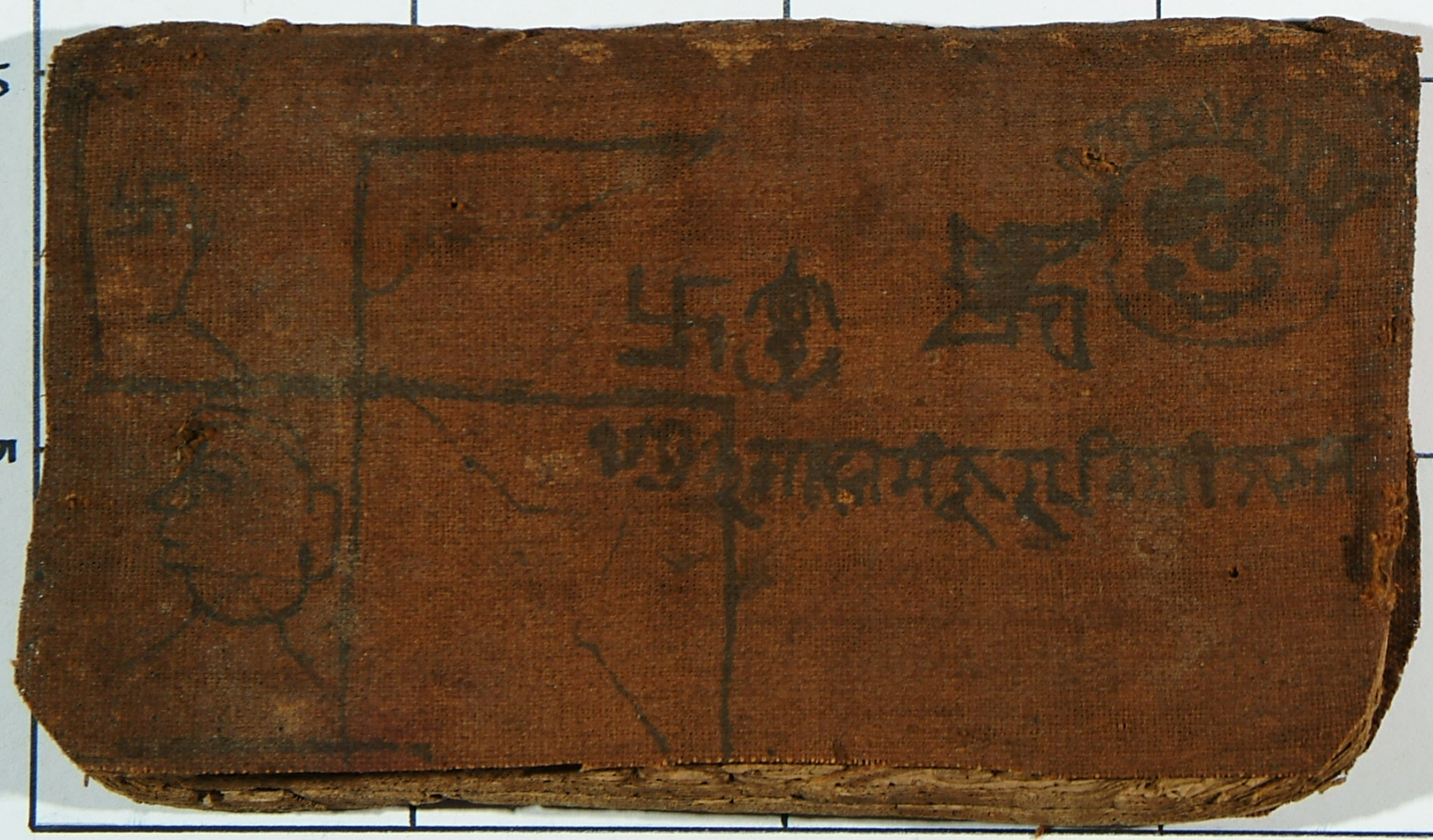
10

15

20

25

30



20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30



20

15

10

5

0

CMS

5

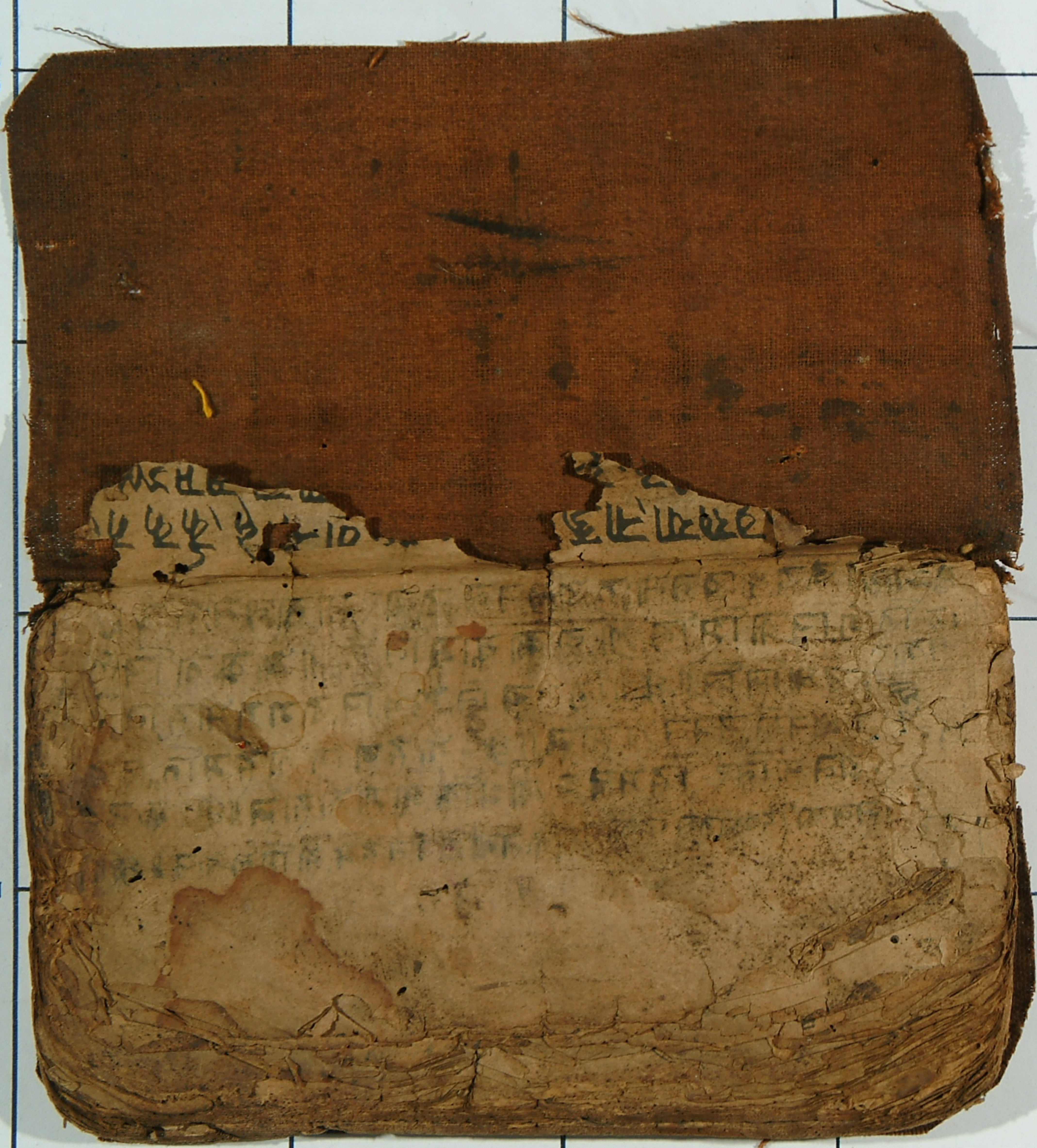
10

15

20

25

30



20

15

10

5

0

CMS

5

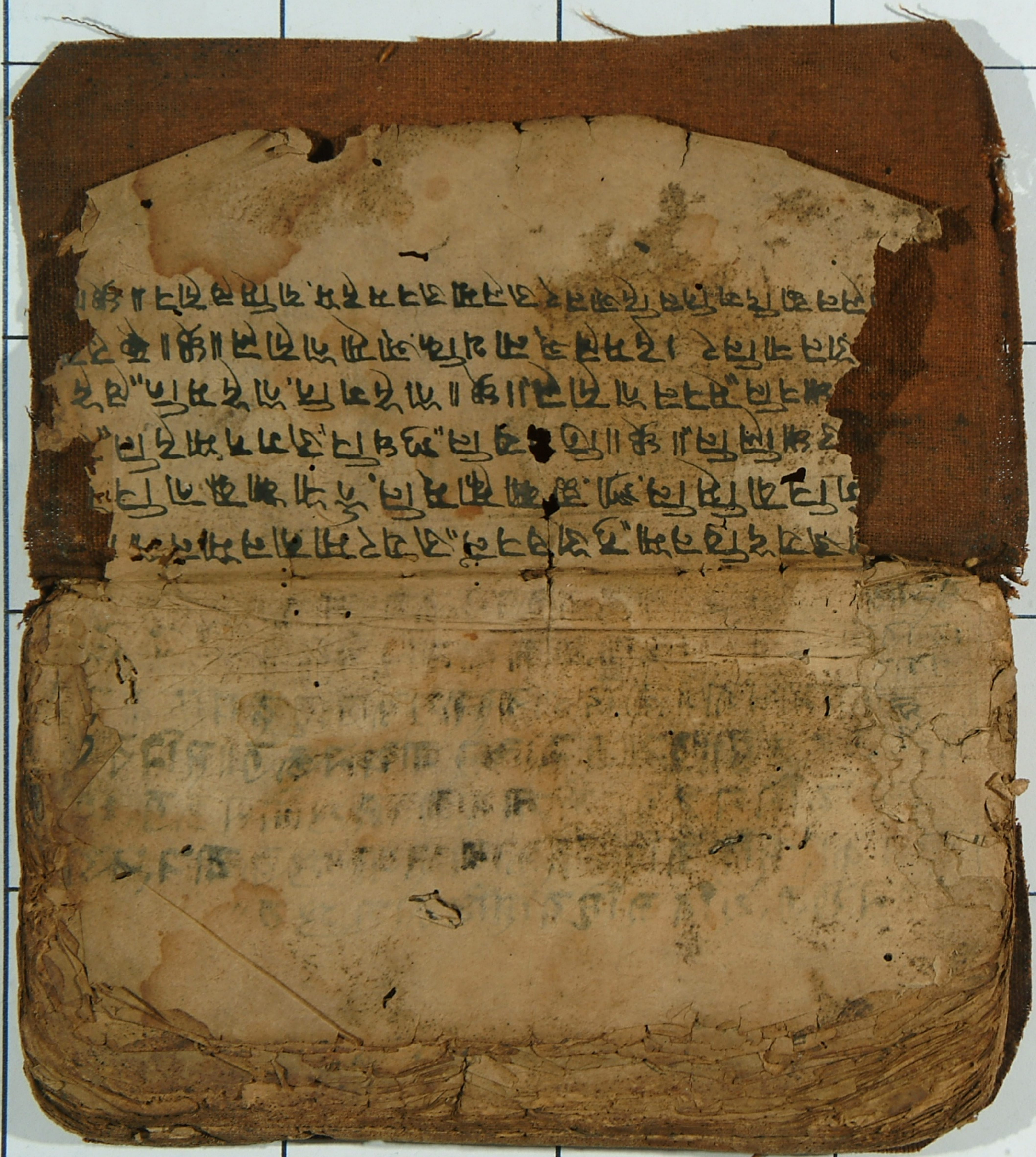
10

15

20

25

30



11 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100

This image shows a single, heavily damaged page of an ancient manuscript. The paper is a light tan or brown color, showing significant signs of age and wear. The edges are irregular and torn, with several small holes and larger tears scattered across the surface. Faint, dark markings are visible, including what appears to be a large, stylized letter 'E' or 'B' in the upper left quadrant. Near the bottom right, there are some faint numbers, possibly '11' and '12'. The overall texture is rough and uneven, typical of old parchment or paper.

20

51

10

۷

CMS

5

10

15

20

25

30

20 15 10 5 0

१॥ देवभागु आय ॥ गमन
१॥ याद धन नाल ॥ क्षम भाग
१॥ देना देव ॥
१॥ निना क क द, भागना स न अ
१॥ वा थ क, धन ला स म
१॥ य क म, न डी नाल ॥
१॥ ष क म, क न द ॥
१॥ स क म, न य न भ नाल ॥
१॥ ज क म, स कुन आ न ल य ॥
१॥ ल ड म, स य न द ॥
१॥ य क म, लु मि नाल ॥
१॥ य का द, स न स नाल ॥
१॥ जो द स, य न स न द दे या ड म न द
१॥ जो य स, स म न द का अ म न द
१॥ क, न न सो, क क य, न न द
१॥ स य न मा सि, न मा अ म

१॥ देवभागु आय ॥ गमन
१॥ याद धन नाल ॥ क्षम भाग
१॥ देना देव ॥
१॥ निना क क द, भागना स न अ
१॥ वा थ क, धन ला स म
१॥ य क म, न डी नाल ॥
१॥ ष क म, क न द ॥
१॥ स क म, न य न भ नाल ॥
१॥ ज क म, स कुन आ न ल य ॥
१॥ ल ड म, स य न द ॥
१॥ य क म, लु मि नाल ॥
१॥ य का द, स न स नाल ॥
१॥ जो द स, य न स न द दे या ड म न द
१॥ जो य स, स म न द का अ म न द
१॥ क, न न सो, क क य, न न द
१॥ स य न मा सि, न मा अ म

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

Handwritten text in Devanagari script on a piece of aged, torn paper. The text is arranged in several lines, with some characters appearing to be in a different script or dialect. The paper is heavily damaged, with significant portions missing and the edges frayed. The text is written in dark ink, and some characters are difficult to decipher due to the damage and fading.

Handwritten text in Devanagari script on a piece of aged, torn paper. The text is arranged in several lines, with some characters appearing to be in a different script or dialect. The paper is heavily damaged, with significant portions missing and the edges frayed. The text is written in dark ink, and some characters are difficult to decipher due to the damage and fading.

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

Handwritten text in Devanagari script on aged, torn paper. The text is organized into a grid-like structure with horizontal and vertical lines. The script is dense and appears to be a form of accounting or record-keeping. The paper is heavily damaged, with significant tearing and discoloration. The text is written in black ink on a light brown background. The grid structure is composed of thin lines, and the text is written within the cells of the grid. The overall appearance is that of an ancient manuscript or ledger.

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ धनिके ॥ १ ॥ यार्जी गोला
 क, खान या खान, का खान साक, क्रसिज जाक, जडिलन
 क, उ, डाडाडा, डाडाक, श्वयम जाक, जल जि याक ॥ १ ॥
 मलिक माप क्रस ज याप, जलिन जाप, जवलि लन, श्वयि क डा, खान
 न, क, खान के खान, क, खान, क, खान, जलिन जाप, यान
 य याप ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ धक स लिनि जाय, वस प्रसाय, जलिन जाय

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥ २ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ३ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ५ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ १० ॥

स कृष्णाय नमः ॥ ११ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ १३ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ १४ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ १५ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ १६ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ १७ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ १८ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ १९ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २० ॥

20

15

10

5

...
 ...
 ...
 ...
 ...

१ ना गं॥ जस आनि॥ कुलं मलं नमलं नाम लक्ष्म मा
 २ ॥ धनं बलं त्रि मय पहा न लानं सहजं यनं
 ३ जलानं नाल माहा नमं मय तु यिस कुड न तुल
 ४ य ग गं न नि वृद्धिं गं मा न ॥ कुलं म ॥ आ स या
 ५ स प मा ल ३ आ न स ३ विय म मा न म मा न ॥ कुल २ ॥
 ६ य का न ल म न ३ अ वि या शु व स ह ३ स सा ध ३ न
 ७ स ग म का ३ हान य न ना या न व सि मा ३ या था न य न म
 ८ ३ मा न का न ॥ कुल ३ ॥ हिल आ ना स मि न थ न म

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

नमो वाचसुक्ये धि उ रन सन साल ॥ निमि असं
 जगत्तु गन जगत्तु गन ॥ अमुने जगत्तु गन ॥ अला क न ॥ ५ ॥
 नमो जगत्तु गन ॥ अदिन सतन क ॥ जिन कति ॥ मसि ॥ अला न वि
 चान सिद्धि न वसि स या न विर्ना था सिवा वादि कल मजि
 न उ धा न ॥ ५ ॥ अमुने न मा नाम ल जगत्तु गन ॥ ५ ॥

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

एकचकं १
 एकचकं २
 एकचकं ३
 एकचकं ४
 एकचकं ५
 एकचकं ६
 एकचकं ७
 एकचकं ८
 एकचकं ९
 एकचकं १०

एकचकं १
 एकचकं २
 एकचकं ३
 एकचकं ४
 एकचकं ५
 एकचकं ६
 एकचकं ७
 एकचकं ८
 एकचकं ९
 एकचकं १०

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

१३
 एतिलियकनिनि ३
 एतिलिङ्गनां ४

एतिलिनियां २
 एतिलिवायं १२

एतिलियं ११

एतिलिङ्ग १०

एतिलिसार्थयकायिसह २१

एतिलिआर्थय २२

एतिलिल २३

एतिलिदसां २४

एतिलिदसां २५

एतानयक २६

एतानइला २७

एताननिमियां २८

एतानन्यां २९

एतानयं ३०

एतानकु ३१

एतानसा ३२

एतानआ ३३

एतानल ३४

एतानद ३५

एतानसा ३६

This image shows a blank, aged, light brown page, likely an endpaper or flyleaf of a book. The paper has a textured appearance with visible creases, discoloration, and small dark spots, possibly due to foxing or wear over time. Faint, illegible text from the reverse side of the page is visible through the paper, appearing as ghosting of the original content. The overall tone is warm and historical.

The image shows the front cover of an old book. The cover is made of a light brown, textured material, possibly paper or cloth, which is heavily aged and discolored. There are several dark, irregular stains and marks on the surface, particularly along the edges and in the center. The texture appears rough and worn. There is no text or any other markings on the cover.

यं वरकं यं वर १
 यं वरकं यं वर १०
 यं वरकं यं वर ११
 यं वरकं यं वर २०
 यं वरकं यं वर २१
 यं वरकं यं वर ३०
 यं वरकं यं वर ३१
 यं वरकं यं वर ४०
 यं वरकं यं वर ४१
 यं वरकं यं वर ५०

१० य क ६
 ११ उ ग ना वा ध र ११
 १२ नि य अ थ न र १६
 १३ रा न रे ड वि म र २५
 १४ य रं नि स र ३०
 १५ उ नि स र ३५
 १६ सा थ व रा नि स र ४०
 १७ आ थ अ थ रा नि स र ४५
 १८ व आ रे ड व न र ५०
 १९ द सा सा थि ५९

५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०

ककाकिकी
 ककुकुकु
 ककेकेके
 ककक



क का कि की
क क क क क
क क क क क
क क क क क
क क क क क

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

१साथयकसाथ १

१साथ ३ गनो रंड १४

१साथ निरुद्धा रणचिस २१

१साथ राव जका रिस २६

१साथ यं रं यं रं निरुद्ध ३१

१साथ रं रं रं रं निरुद्ध ४२

१साथ साथ उल य रास ४७

१साथ आथ रं रं यन ५४

१साथ ल रं नि निरुद्ध ५९

१साथ द सां द १०

१आथ यक आथ रा १

१आथ रं गनो रंड १४

१आथ निरुद्धा रणचिस २१

१आथ राव जका रिस २६

१आथ यं रं यं रं निरुद्ध ३१

१आथ रं रं रं रं निरुद्ध ४२

१आथ साथ उल य रास ४७

१आथ आथ रं रं यन ५४

१आथ ल रं नि निरुद्ध ५९

१आथ द सां द १०

१आथ यक आथ रा १

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

एतय कले डा ६ x एदसय क दस १० x
 एनडा इगला प्रथम १६ x एदस इगला विस २० x
 एनडा गियोस ता वि एदस २१ x एदस गिलि निस ३० x
 एनडा जार्न चुनि ३५ x एदस चान रात्रिस ४० x
 एनडा यं च यरा निस ४५ x एदस यं च यरा स ५० x
 एनडा रुक रउम ५५ x एदस रुक साथि ५० x
 एनडा सा थ नि निस ६५ x एदस सा थ स १० x
 एनडा आ थ व ह ७३ x एदस आ थ आसि ६० x
 एनडा ल आ य क आसि ८२ x एदस ल आ न व ८० x
 एनडा द सा आसि ८० x एदस द सा सय १०० x
 न व

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रवणं ध्यायन् विदुः श्रुत्वा श्रुत्वा ॥
कथं ब्रूति ॥ श्रवणं ध्यायन् विदुः श्रुत्वा श्रुत्वा ॥
न नाना ॥ श्रवणं ध्यायन् विदुः श्रुत्वा श्रुत्वा ॥
ॐ ॥ श्रवणं ध्यायन् विदुः श्रुत्वा श्रुत्वा ॥
यस्य नमः श्रवणं ध्यायन् विदुः श्रुत्वा श्रुत्वा ॥
श्रवणं ध्यायन् विदुः श्रुत्वा श्रुत्वा ॥
कर्म न ॥ श्रवणं ध्यायन् विदुः श्रुत्वा श्रुत्वा ॥
धर्मः श्रवणं ध्यायन् विदुः श्रुत्वा श्रुत्वा ॥
वनं श्रवणं ध्यायन् विदुः श्रुत्वा श्रुत्वा ॥

थायासवतायाधकं धमझसंशयाधकं क्ववसुनयाध
 कं थनिसकुना क्लवसा धननारुदयिडा ॥ २ ॥ मि ॥ धमि
 क्कडाधकं कि को आ दा सि सा रूप सा न रू ग य ना य
 न क्लनारु क्लसंसाया थन थनिसकुना क्लवसा धन
 सा न क्लि क्लि सि धि दयिडा ॥ ३ ॥ म न् क्लया ना न न न याध
 कः क्लवसा धन क्लि नं का या नारु दयिडा ॥ ४ ॥ मान न या
 धे कं क्लन सा न क्लि नं का या नारु दयिडा ॥ ५ ॥ थ डा
 ज न ल ग म या क्ल न क्लया य क्ल न याध कं क्लन सा रं गु नि
 ग म या य न सा न क्लि दयिडा ॥ ६ ॥ ग न स रं न सा ना ना पा के मा लं
 क्ल दयिडा ॥ ७ ॥

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

Handwritten text in Devanagari script on aged, stained, and torn paper. The text is arranged in approximately four horizontal lines. The first line begins with a prominent 'Om' symbol (ॐ) followed by 'गान्धर्व' (Gandharva). The second line contains 'मदपु' (Madaputa) and 'थार्थ' (arth). The third line includes 'साक' (Saka) and 'वा' (va). The fourth line features 'प' (pa) and 'व' (va). The paper is heavily damaged with numerous tears and stains, particularly along the left edge and center fold.

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

Handwritten text in Devanagari script, likely a religious or philosophical manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the upper portion of the manuscript page. The script is a form of Devanagari, possibly from a historical period, and includes various characters and symbols, including what appears to be a 'ॐ' (Om) symbol at the beginning of the first line. The text is written in a dark ink on aged, slightly discolored paper.

श्री श्री

श्री

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

Handwritten text in an ancient script, likely Pahlavi, on a fragment of parchment. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script consists of stylized, angular characters. Some lines include double vertical bars (||) as separators. The parchment is aged and shows signs of wear, including small tears and discoloration.

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

Handwritten text in an ancient script, likely Pahlavi, on a piece of aged, brown parchment. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is highly stylized and cursive. The parchment is heavily damaged, with numerous tears, holes, and areas of discoloration. The text is written in dark ink, and some characters are difficult to decipher due to the damage and the style of the script. The parchment is placed on a white background with a grid pattern.

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

Handwritten text in an ancient script, likely Pahlavi, on a piece of aged parchment. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The parchment is heavily damaged, with numerous holes, tears, and areas of discoloration. The script is dark and appears to be a cursive or semi-cursive form. The text is written on a rectangular piece of parchment that is slightly larger than the underlying page. The parchment is mounted on a white background with a grid pattern.

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

Handwritten text in a cursive script, likely a form of Old English or Old Norse, written on a single leaf of parchment. The text is arranged in approximately 12 horizontal lines. The script is characterized by long, flowing letters with many ascenders and x-heights. There are several instances of what appear to be runic or specialized characters interspersed within the Latin-like script. The parchment is aged, with some staining and wear visible at the edges.

Vertical marginal text on the right side of the parchment leaf, written in the same cursive script as the main body of text. It appears to be a commentary or a continuation of the main text, written in a slightly smaller hand.

Handwritten text in a cursive script, likely a form of Old English or Old Norse, written on a single leaf of parchment. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is characterized by long, flowing letters with many ascenders and x-heights. There are several instances of what appear to be runic or specialized characters interspersed within the Latin-like script. The parchment is aged, with some staining and wear visible at the edges.

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

Handwritten text in a script, likely Ge'ez, on a piece of aged parchment. The text is arranged in approximately 10 lines. The script is a cursive form with distinct characters and some use of diacritics. The parchment is yellowed and shows signs of wear and tear.

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

Handwritten text in a script, likely Ge'ez, on the top leaf of an ancient manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script consists of various characters, including vowels and consonants, some of which are written with diacritics. The ink is dark, and the parchment is aged and discolored.

Vertical marginalia on the right side of the top leaf, written in the same script as the main text.

Faint, illegible text visible on the bottom leaf of the manuscript, appearing as bleed-through from the reverse side.

Handwritten text in a cursive script, likely a manuscript or letter, written on aged paper. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. It begins with a large initial 'H' followed by 'E' and 'L'. The script is dense and flowing, characteristic of early modern handwriting.

॥ श्रीगणेशाय ॥

स्वयं वर्या

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

Handwritten text in a script, likely Ge'ez, on the top leaf of a manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dark and appears to be a form of Ge'ez used in historical Ethiopian manuscripts. The parchment is aged and shows some staining.

Handwritten text in a script, likely Ge'ez, on the bottom leaf of a manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dark and appears to be a form of Ge'ez used in historical Ethiopian manuscripts. The parchment is aged and shows some staining.

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

Handwritten text in Devanagari script on a piece of aged, torn paper. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is a form of Sanskrit or Hindi, with some characters appearing to be in a different script or dialect. The paper is heavily stained and discolored, with some areas missing, particularly on the right side.

Vertical text on the right edge of the top fragment, possibly a marginal note or a page number.

Handwritten text in Devanagari script on a piece of aged, torn paper. The text is arranged in approximately 8 horizontal lines. The script is a form of Sanskrit or Hindi, with some characters appearing to be in a different script or dialect. The paper is heavily stained and discolored, with some areas missing, particularly on the right side.

This image shows a single, heavily aged and damaged page of paper or parchment. The paper is a mottled brown color, with significant water damage and staining. A large, dark, irregular stain is visible in the center-left area. A prominent, bright purple stain is located near the center-right. The edges of the paper are irregular, torn, and frayed. There are several small holes and dark spots scattered across the surface, suggesting insect damage or mold. Faint, illegible markings are visible on the paper, possibly remnants of text or drawings. The overall appearance is one of extreme age and neglect.

[illegible]

पुस्तकालय



कयसि... ॥ ५१ ॥ ... ॥ ५२ ॥ ... ॥ ५३ ॥ ... ॥ ५४ ॥ ... ॥ ५५ ॥ ... ॥ ५६ ॥ ... ॥ ५७ ॥ ... ॥ ५८ ॥ ... ॥ ५९ ॥ ... ॥ ६० ॥ ... ॥ ६१ ॥ ... ॥ ६२ ॥ ... ॥ ६३ ॥ ... ॥ ६४ ॥ ... ॥ ६५ ॥ ... ॥ ६६ ॥ ... ॥ ६७ ॥ ... ॥ ६८ ॥ ... ॥ ६९ ॥ ... ॥ ७० ॥ ... ॥ ७१ ॥ ... ॥ ७२ ॥ ... ॥ ७३ ॥ ... ॥ ७४ ॥ ... ॥ ७५ ॥ ... ॥ ७६ ॥ ... ॥ ७७ ॥ ... ॥ ७८ ॥ ... ॥ ७९ ॥ ... ॥ ८० ॥ ... ॥ ८१ ॥ ... ॥ ८२ ॥ ... ॥ ८३ ॥ ... ॥ ८४ ॥ ... ॥ ८५ ॥ ... ॥ ८६ ॥ ... ॥ ८७ ॥ ... ॥ ८८ ॥ ... ॥ ८९ ॥ ... ॥ ९० ॥ ... ॥ ९१ ॥ ... ॥ ९२ ॥ ... ॥ ९३ ॥ ... ॥ ९४ ॥ ... ॥ ९५ ॥ ... ॥ ९६ ॥ ... ॥ ९७ ॥ ... ॥ ९८ ॥ ... ॥ ९९ ॥ ... ॥ १०० ॥ ... ॥

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

क.सं.या.न.सा.वा.न.यि.न.आ.ग.इ.यि.उ॥४॥ इ.कि.सि.
 द.उ.अ.त्र.आ.उ.या.कु.य.दि.न.सि.य.के.न.सि.ना.ग.या.ध.
 व.ना.न.स.द.न.डा.य.के.उ.उ.वा.का.रि.थ.या.ध.के.थ.
 नि.स.कु.ना.क.न.सा.ध.न.द.यि.उ॥४॥ इ.कि.सि.स.वि.
 दु.स.अ.अ.ध.के.स.अ.म.स.वि.स.इ.या.ध.के.उ.उ.या.द.न.स.
 इ.ध.के.स.र.छि.न.श.या.ध.के.थ.अ.स.वि.द.स.छि.न.अ.य.
 ल.या.इ.ध.के.स.छि.का.न.आ.हा.का.न.अ.ग.म.ग.म.या.इ.ध.
 के.थ.नि.स.कु.ना.क.न.सा.ध.न.स.हि.न.ल.आ.रु.द.यि.उ॥४॥

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

कं कलसा फलमंशवकं ॥ ११ ॥ लामसं दं डा
 वनसं नाम वदं मया डा ॥ अनधं कं कलसा यनं दस
 नथ डा ॥ जिहासां म दयि डा ॥ १२ ॥ वा हा न नि नि
 रवि कलसा थ नि डा ध कं कलसा शुध जि जि पि
 सहि न ल ध ल वा रु द यि डा ॥ १३ ॥ कि थं दं डा य जा या
 अध कं य नि रु पा दं ना डा ॥ शा वं धं मा हा दं डा यि वस
 दं डा ना थ नि व जा या डा ध कं कलसा वं न स रं स वं न
 ना यि डा ॥ भू न ग ध न वा न डा यि डा ॥ १४ ॥ शुभ मं दु न र

20

15

10

5

१६ माह ठावग अप तसितायू क न सु रि नि वि ग
 तं जा ता जाय ग थ ग ता या ल दं ग सं भ कं स व ध
 य ग द थ जं वं न्य र सा सा पं न्य क न स व ल सा प
 वि न डं स वं स स का ल प गि स र धा ध म स ज
 ग स र धा व वि स र धा सा न्य प वि वा न र सा हा

गो वि व हा थ ध न क न सा थ थ क स थ वि धि र यि थ ॥ ५ ॥
 चाम न कि म न नि च ध कं थ म न थि स थ ड ध कं क न सा स
 तु द का मा लु ज य य वि धि र यि र न न सा ॥ ५ ॥ न क सा ड ना
 ड न या ध कं क न सा रि ड ॥ ५ ॥ सि र वा कि सि रा स न वा म
 स वा थ म तु इ इ यि या ध कं थ सा वा या ध कं क न सा रि ड ॥ थ नि
 ग या ध कं ॥ थ क न स ड ग र स ड थ सा स ड थ सा या ड ज ड मा
 य क या ध कं क न सा ॥ ५ ॥ र कं या ल र र ॥ ५ ॥ म न् क या का
 र स हा न ल नि या थ म स ग या ड र या ध कं क न सा थ ज
 म न ड सि स नि ध म सि र् र स नि क या य वि ड् क या क र ग न
 या य मा न ॥ १० ॥ र ड ग र न स ड ध कं जा जा न क रि नि न

20

15

10

5

0

१. यदि जंतु वि



१० पृ० नाशाल जसिक विन धके भूति लिड खसि छिया
 समुद्र छिया धके कलसा लिड ॥ ११ ॥ मिसाया लं किमि
 याल साया ल थके जे या श माया वय कन जे नसा शु रु रु
 नर ॥ १२ ॥ मसल साया धके कलसा स लिड ॥ १३ ॥ गु ध
 नातिस आ वि नया धके जि का म थ था ना धके कलसा
 भूति लिड जे ॥ १४ ॥ सयल सं वरु का मि ज अ सव न
 ला मि न भूति कान शु व या ला ला जाला काल ह न
 व शु व व धाय ज जाल ज मा व के व न या न हि
 नया यल जल को य गाल ज सयल क थ लि चरु श
 जाल व नि वरा स स मा क शु रु ॥ १५ ॥

CMS

5

10

15

20

25

30

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवा
 दप्रथमोऽध्यायः ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाशेन बद्धोऽहं
 कुरुक्षेत्रे भिक्षुं तं शूराणां वीर्यवान् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवा
 दप्रथमोऽध्यायः ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाशेन बद्धोऽहं
 कुरुक्षेत्रे भिक्षुं तं शूराणां वीर्यवान् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवा
 दप्रथमोऽध्यायः ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाशेन बद्धोऽहं
 कुरुक्षेत्रे भिक्षुं तं शूराणां वीर्यवान् ॥

20

15

10

5

0

अथ १२

वका शुचता सधिरुकरसं प्रसगुलि धूससि
 न वधनं रं अ॥ दुआधला सहिताला सर्वसमुत्तिरि
 न न॥ चाम्पु डा आ गालि धवि॥ सुतविह सार सानक
 सह आक निवाचक॥ उडा देहि कत्र लामर॥ नि नसि
 १२ धिकरं दानुति रुआ ससहिननं उगन देअ उग
 श्मसि॥ तां दानि वधा नानि कि॥ उका उडा रुनि॥ ग
 नयानि सुद देहि॥ उमरिम जा नमामि ह॥ म उवसि अ
 यं रं यो॥ नि रुआ न॥ शुच यनि॥ धर्म ना॥ उ धि धिन

CMS

5

10

15

20

25

30

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

सुप्रसन्नोऽयं भगवान् ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 प्रसादात्प्राप्तं भक्त्युपायं ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 भक्त्या भगवत्पूज्यं भक्त्या ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 भक्त्या भगवत्पूज्यं भक्त्या ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 भक्त्या भगवत्पूज्यं भक्त्या ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 भक्त्या भगवत्पूज्यं भक्त्या ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 भक्त्या भगवत्पूज्यं भक्त्या ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 भक्त्या भगवत्पूज्यं भक्त्या ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वज्रवाहं चक्रधरं गन्धानिहातां ननहपि ॥
 गन्धानि सह दंष्ट्रां शुभया निलकृत् ॥ नैवाकदियका
 न्ति यरसचनं विष्णुनाथं ज्ञानं शुभानामकारनं
 माहावय रयानकं चक्रधरं गन्धमिदं गयान
 रं च अरिमर्षजम्भानां लंगहरविनं नहसि
 मनाशनमामिहं लंसनिदं यनिदं विनिनिस
 केनिःश्रयिनि नैवाकं शुभसुधनि वासावैलंम
 निमात्रं सिहासं धिना शुद्धि सर्वज्ञं कारनर

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

मागु॥ माति काग न दिव क न धल जग
 जं नि जं नु व जा अन प॥ आ गि नि ग
 न प न न न रु व क न नि न सा ज न ल॥ ध्र॥
 सु दि न र न य ना न न अं द ड मा हा लो न अ
 मि द ग सा ज न न स क न क न व न क न द
 १५ क श नु यं ज्जु ल मा न न न न क न ध नि नु
 म्ब दि ज्जु न मा हा न द ड म न स गी न श्व ह
 न न ज्जु ल सा स वि का स द ह दि स ह न स वा

20

15

10

5

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 सवयवि नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सवयवि नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 जन्मव नमो भगवते वासुदेवाय ॥ जन्मव नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 गन्धर्व नमो भगवते वासुदेवाय ॥ गन्धर्व नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्वेत नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्वेत नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 निशुनय नमो भगवते वासुदेवाय ॥ निशुनय नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 यनमो भगवते वासुदेवाय ॥ यनमो भगवते वासुदेवाय ॥
 गान्धर्व नमो भगवते वासुदेवाय ॥ गान्धर्व नमो भगवते वासुदेवाय ॥

95

0

CMS

5

10

15

20

25

30

20

15

10

5

१००॥ माल ॥ गान नडा माल ॥ सा देवा लं १००॥ स निधि सा लं ॥ सा द
 अडान प्रथम नि ॥ सा दे सा सा कस्त ॥ सा दे इव ॥ गान क व मान ह ॥
 य स स य स स स स सि २०॥ मार क ॥ पा ००॥ क ॥ म ॥ स ॥ म ॥
 थ पु मा नि स व क ॥ म ॥ य स सा सा सा मा या लोक क क मा पु स ॥ स ॥ म ॥ र ॥ प ॥ व ॥
 ग ॥

१००॥ सा ल ज न नि धि ॥ ॥ ग ॥ ल ॥ ध ॥ न ॥ स ॥ मा ॥
 नि स ग म ॥ कि ॥ न ॥ हा ॥ य ॥ अ ॥ व ॥ ॥ ॥ अ ॥ य ॥ न ॥ क ॥ र ॥ ग ॥ क ॥ म ॥
 सि ॥ वा ॥ स ॥ क ॥ न ॥ न ॥ मा ॥ हि ॥ स ॥ न ॥ न ॥ दे ॥ वा ॥ ॥ अ ॥ नि ॥ क ॥
 १००॥ न ॥ श ॥ ग ॥ न ॥ यु ॥ नि ॥ ज ॥ ग ॥ अ ॥ नि ॥ वि ॥ म ॥ नि ॥ ग ॥ र ॥ च ॥ न ॥ ॥ ध ॥ म ॥
 १००॥ ग ॥ मा ॥ न ॥ ॥ ॥ दे ॥ वि ॥ ज ॥ य ॥ ज ॥ ना ॥ म ॥ मा ॥ नि ॥ नि ॥ र ॥ ज ॥
 य ॥ न ॥ क ॥ य ॥ अ ॥ यु ॥ न ॥ दा ॥ गि ॥ नि ॥ ॥ ॥ य ॥ न ॥ न ॥ य ॥ न ॥ न ॥ हि ॥
 ना ॥ दा ॥ ना ॥ का ॥ न ॥ न ॥ दा ॥ या ॥ म ॥ आ ॥ न ॥ ॥ ॥ ध ॥ ॥ ह ॥ न ॥ न ॥
 ह ॥ न ॥ न ॥ नि ॥ नि ॥ क ॥ न ॥ न ॥ वि ॥ क ॥ न ॥ ध ॥ न ॥ ॥ ॥ क ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

१००॥
 १००॥

20

15

10

5

१ नमो ॥ चरित्रा ॥ गालपासां नमिजयं शस्यं दृष्टं वा न च न वि न वि न माल
 त ॥ नयं वि य स तु ल ह ल त पा डा ॥ म न ड न थ ग्ग नि न म सा न न ॥ उ य पु र र ग वा न ॥
 पु त स न वि डा ॥ १ ॥ मा स न ग क प स्य ॥ व रि द वा स त र्ज थ ड न थ श्रु त रि ॥ मा स य
 ड ल स क न डा ॥ म दू ग थ ॥ इ द व य ग मू द ल पा त ल ॥ उ य पु र र ग वा न ॥ २ ॥
 वा ग स मि सा पा सा ॥ ड र ड ध न्ना त्रा सा ॥ य वि डा क प ग य स ल त वा ल इ व वि
 त्रि ल स ॥ सु ग नि त्रि त्रि स म य क ॥ ध न म वि वा ॥

रु रु रु

१ नमो ॥ चरित्रा ॥ गालपासां नमिजयं शस्यं दृष्टं वा न च न वि न वि न माल
 त ॥ नयं वि य स तु ल ह ल त पा डा ॥ म न ड न थ ग्ग नि न म सा न न ॥ उ य पु र र ग वा न ॥
 पु त स न वि डा ॥ १ ॥ मा स न ग क प स्य ॥ व रि द वा स त र्ज थ ड न थ श्रु त रि ॥ मा स य
 ड ल स क न डा ॥ म दू ग थ ॥ इ द व य ग मू द ल पा त ल ॥ उ य पु र र ग वा न ॥ २ ॥
 वा ग स मि सा पा सा ॥ ड र ड ध न्ना त्रा सा ॥ य वि डा क प ग य स ल त वा ल इ व वि
 त्रि ल स ॥ सु ग नि त्रि त्रि स म य क ॥ ध न म वि वा ॥

0

CMS

5

10

15

20

25

30

20

15

10

5

0

राग॥ विरासुताल॥ वा॥ ॐ स्वलिङ्गिनः सुनाथ
 यावि नति हनन॥ ॥ कामया लसग सनः धलसकनम
 रुजः मारुस हितल उदिनाम॥ कलीयाकालनननं रपोयसुम
 नरुवयतथ हितलम ह्यो ॐ ॥ ॐ स्वनि॥ ॥ धलम वात्रमया
 अगनः पतया धनसमनः मारुस हितल इदिनाम॥ ककुडिक
 मलिङ्गय ॥ ॐ वद को हनकि ॐ ॥ कयादय ग ली दि हनन
 ॐ ॥ ॐ स्वनिदिन॥ ॐ ह ॥

मनी हिनिड आन जायि॥ शुधन॥ तगनहि जा अशु
 धन अश्वदा के जायि॥ कानिलाग सित नोन॥ रुनः नन
 जायि॥ शुधन॥ जा गे जा ग कानिलाग॥ कानय म्र अजायि
 पन लयल नथी हन॥ सहसः लन रायि॥ शुधन॥ कर
 नययना धम्य न॥ कानि जा ग जायि॥ सहस हन शुय अ
 न॥ समुज वाय मायि॥ शुधन॥ सम अ सम अ मायि वा
 य सम अ शुधन रायि॥ यका सनिड गन ड मिड का सि
 लाग जायि॥ शुधन॥ सम अ सम अ गन ड मिड स

CMS

5

10

15

20

25

30

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

24/10/16

मं धुधन लीय का नि लाग ला थ ना न के स न य थ
यि ॥ धुधन ॥ हि न यि न य क म ल सा न थि जा ग यि क
धु म न क्क न द र यो ग वा न गा न ग म यि ॥ ॥ धुधन
साम स ला रु न का रु नु म म यि ॥ ध्र ॥

२१ (जाग ॥ व स न ॥ न लि न न व ग न ना वा नि
हि न ल काम न न न य स मि न स ध के न
नि क न वि न क क न के नि न क ज क न न
न वि

20

15

10

5

१५ किमदृशं लक्ष्मणं वासा नक्षत्राणि मितां एवम्
 निरः जायि चक्षुः सुया लघु सत्त्वात् न्याजान्तरं ॥ १ ॥ उक्तं
 दृष्टमलसः शरधवासा नक्षत्राणि निरः माधु सिद्धि मे निरः
 जायि नक्षत्रा सुया रूपवलि द्वाधा ज्ञानं ॥ परव दृष्टमल
 सत्त्वात् वासा नक्षत्राणि निरः जायि नक्षत्रा सुया रूपव
 ला सुया ज्ञानं ॥ मध्य दृष्टमलसः सिद्धवासा नक्षत्राणि निरः
 ला च नक्षत्राणि निरः सुया रूपवलि द्वाधा ज्ञानं ॥ दक्षिण दृष्टमल

॥ विदुः न निरुति निरु स च स व स न ॥ उक्तं द
 मंदनं नक्षत्रा नथ यं धिके वं धु ज न उक्ति न
 विनाथो ॥ वि ॥ अत्रि क न स क न क अ म
 स भाद नि जा क न व क न क नाथ ॥ २ ॥ म
 ग म द स उ व न च रु स व स व न व द न
 २३ मान्ति मि स न ॥ ३ ॥ श व स उ न ह द य वि
 दात न न स न सि उ न अ न रि कि सु कि उ

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

१ गगविहंतात्रि॥ जयकरनामयति रुवनकापेन
 र्थसिया न्निविह दारुव आदि॥ १ ॥ नतम कृतिनसिध
 नसाध कृतिनिगवानसम धननाश॥ २ ॥ नडातनु
 नडादिनःमनिममरासा वासाकि रुतिहनिमनि
 निहासा॥ ३ ॥ नडातनु अनूपमदिशसू कोनि मृग
 कवनतावा यथकत्रति॥ ४ ॥ नावाक नापनामः कृ
 पमनगं सकनभूमनन न्कत्रयजगं॥ ५ ॥

ॐ क वानिष्क कनिष्क

नाहा क न नामय क न नाक्यं वक्र ना नायन नर
स्य नृपं ॥ ६ ॥ अ डा पा द पं क ज क न ध्यान स्य पृ न
२५ सडा निदि की सृ जानं ॥ १ ॥ रु क्र सि व कु क्रः न सि
ध न म डाय व न न क म न रु ड म न म न ल य ॥
॥ ८ ॥ ॥ शु र ॥

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30



रा क ल न र स्या य आ इ इ उ डि ल ड ण य र न म वे उ म
 वि सा उ क न म द स क ड स्या व ला य क्का उ उ ॥ आ इ
 उ लि इ उ श ल इ व न या उ आ स उ वृ ड य व स न दि का
 ले ॥ मा हा न ना क प स्या म द स थ आ स न क र उ य उ
 २८ क स र आ ले ॥ ४ ॥ त्रि य न वृ व या स म य स उ न ग आ ग
 न क स्या ला ॥ स न उ छि क म न रु ना ड स न ना न लि या
 आ प आ वि या ग रु या आ ले ॥ १ ॥ आ उ ग्ग न न पि त ल ॥ १ ॥
 उ व र न लि या आ क से आ सा उ आ ॥ छि गु रि श क ति
 ॥ न थ गु रि न क न इ ॥ आ व या नि ना उ उ ॥ ६ ॥ १ ॥

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

२० ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ निष्ठा सत्तुति दक्षिण
 सत्तुति दक्षिण ॥ इत्यादि ॥ १ ॥ नमो भगवते
 वासुदेवाय ॥ पादिरुद्र ॥ २ ॥ नमो भगवते
 वासुदेवाय ॥ ३ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ४ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ नमो भगवते
 वासुदेवाय ॥ ६ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ७ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ नमो भगवते
 वासुदेवाय ॥ ९ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 १० ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥ नमो भगवते
 वासुदेवाय ॥ १२ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

१ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

१॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

१॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

३०

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

१०० का धर्म के अर्थ का वद ११

१०१ का धर्म के अर्थ का वद १२

१०२ का धर्म के अर्थ का वद १३

१०३ का धर्म के अर्थ का वद १४

१०४ का धर्म के अर्थ का वद १५

१०५ का धर्म के अर्थ का वद १६

१०६ का धर्म के अर्थ का वद १७

१०७ का धर्म के अर्थ का वद १८

१०८ का धर्म के अर्थ का वद १९

१०९ का धर्म के अर्थ का वद २०

११० का धर्म के अर्थ का वद २१

१११ का धर्म के अर्थ का वद २२

११२ का धर्म के अर्थ का वद २३

११३ का धर्म के अर्थ का वद २४

११४ का धर्म के अर्थ का वद २५

११५ का धर्म के अर्थ का वद २६

११६ का धर्म के अर्थ का वद २७

११७ का धर्म के अर्थ का वद २८

११८ का धर्म के अर्थ का वद २९

११९ का धर्म के अर्थ का वद ३०

१२० का धर्म के अर्थ का वद ३१

१२१ का धर्म के अर्थ का वद ३२

१२२ का धर्म के अर्थ का वद ३३

१२३ का धर्म के अर्थ का वद ३४

१२४ का धर्म के अर्थ का वद ३५

१२५ का धर्म के अर्थ का वद ३६

१२६ का धर्म के अर्थ का वद ३७

१२७ का धर्म के अर्थ का वद ३८

१२८ का धर्म के अर्थ का वद ३९

१२९ का धर्म के अर्थ का वद ४०

१३० का धर्म के अर्थ का वद ४१

१३१ का धर्म के अर्थ का वद ४२

१३२

३५

४०

४५

५०

५५

६०

६५

७०

७५

८०

८५

९०

९५

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

विषयकर्षकसु	११४	अथ
विषयकर्षकसु	२६	
विषयकर्षकसु	४२	
विषयकर्षकसु	१४	
विषयकर्षकसु	१०	
विषयकर्षकसु	६४	
विषयकर्षकसु	२६	
विषयकर्षकसु	११२	
विषयकर्षकसु	१२६	
विषयकर्षकसु	१४०	

१५५
१५५
१५५

20

15

10

5



सुधयकं पंचद	१५	सुधयकं पंचद	१५
सुधयकं पंचद	३०	सुधयकं पंचद	३३
सुधयकं पंचद	४५	सुधयकं पंचद	४६
सुधयकं पंचद	५०	सुधयकं पंचद	५४
सुधयकं पंचद	१५	सुधयकं पंचद	६०
सुधयकं पंचद	२०	सुधयकं पंचद	२४
सुधयकं पंचद	१०५	सुधयकं पंचद	११२
सुधयकं पंचद	१२०	सुधयकं पंचद	१२५
सुधयकं पंचद	१३५	सुधयकं पंचद	१४५
सुधयकं पंचद	१५०	सुधयकं पंचद	१६०

0

CMS

5

10

15

20

25

30

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

॥ ककुयालयजवनचोसवह

सत्रयकसुदे	११	१७५	१७
सत्रद्वनासुति	३४	१७५	३४
सत्रनियायकाउन	११	१७५	१४
सत्रसकाअथसुथि	४५	१७५	१२
सत्रवैषवैषाति	४९	१७५	२०
सत्रककुदुयदुदिसमा	११२	१७५	१०५
सत्रसथउनितासय	१३५	१७५	१२४
सत्रअथकनिसासय	१३५	१७५	१४४
सत्रनआनयाउनसय	१३३	१७५	१४२
सत्रदसायअसादि	११०	१७५	१५०

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

१६

उनि सयकं उनि सद	१२	शवि सयकं वि सद	२०
उनि स दुला अथ नि स २६		शव स दुला वि स नि स	४०
उनि स निया साथि उन	११	शवि स निया साथि	४०
उनि स रं का कुरु दि	१४	शवि स न अ सि	४०
उनि स रं प पु न द	२१	शवि स रं य क स य	१००
उनि स रं क रं च स य	११४	शवि स रं क वि स स य	१२०
उनि स रं न नि सा स य	१३३	शवि स रं थ य व य नि	१४०
उनि स रं थ य क उ न स य	१३३	शवि स रं थ य व य थि	१४०
उनि स रं थ य क रु दि स य	१११	शवि स रं थ य व य थि	१४०
उनि स रं थ य क रु दि स य	१२०	शवि स रं थ य व य थि	२००

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

जायतां शांतिं ॥ क क पा ल य ज व न वो स व म
 पा दिल अ स ॥ ब म तां र त स र य धा न ॥ अ य न
 व ज न अ ल सा द ल मि सा ल स स को र ल
 सं स न

न सा व य य रु य अ नि यो नु न सा ना ज या अ उ ति स य नि रु य
 व ॥ ॥ न ग न नु न सा मा स रु य द य व ॥ ॥ अ य नु न सा म
 र या क ना न थ अ के न य अ सि य ॥ अ अ का सि नु न सा लि ड
 ना रु द य व ॥ अ अ का सि नु न सा स न ना रु द य व ॥ नि यो
 नु न सा मे व या रु य द य व ॥ ॥ अ अ का क ना न नु न सा लि
 ड अ अ का क ना न नु न सा क म न रु य व ॥ ॥ अ अ या नि
 नु न सा लि ड अ ग ति द य व ॥ अ अ या नि नु न सा ना य य ल
 अ न मा नि ॥ ॥ अ अ य नि नु न सा दे सा न न अ न मा
 नि ॥ अ अ य नि नु न सा ना य मा द य व ॥ ॥ अ न नु

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

निया, कानि तु न साम लिड ॥ स्व शत्रु निया, कानि तु न साम
 सिद्धि, कानि नारु ॥ निया, ड तु न साम, अडा थस सिद्धि, ड यु ॥ ड
 ॥ ॥ अड यु थि तु न साम, वान या ग द यु, अड यु थि तु न साम, को
 थान साम क था य व न क य ॥ निया, तु न साम, ग म अ न, सिद्धि, ड यु
 व ॥ अड यु थि न न तु न साम, अडा थ स न न नान, अड यु थि व ॥ ड
 अड यु थि न न तु न साम, न थि न अ न मा नि ॥ ॥ न स य स
 अड यु थि न तु न साम, लिड ड, अड यु व ॥ न स य न न अ व न स, अ
 अड यु थि न तु न साम, लिड ॥ अड यु थि न तु न साम, व क न म ड ॥ मा
 न न थि न स तु न साम, अड यु थि न, अड यु थि न तु न साम, या न न ड

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

यवः॥ वाक्लिप्तुनसा, ज अ वा लि ड, ख ड, तु न सा, न य ता
 न द य व, दा म दा सा अ य व, सा स न यि न स तु न सा, ज अ मि
 आ लि ड॥ ख अ मि दा तु न सा, ना ड दा ध था, न य दा यि अ
 नि सा रा न वि क व न स, ज अ मि दा तु न सा, लि ड, दा अ
 तु न सा, व लु क स अ द य व, सं धा स, रु ड न सा, ज अ तु क लि
 ड॥ वा नि यि न स, ज अ मि दा तु न सा, म लि ड ड, दा अ
 मि दा तु न सा, लि ड, वा रा स, ज अ मि दा तु न सा, ना जा न मा
 न या य व, ज अ मि दा तु न सा, ना ध न य द य व॥ वा रा न

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

20

15

10

5

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

0

CMS

5

10

15

20

25

30

20

15

10

5

0 CMS 5 10 15 20 25 30

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सतिर आनक कुरु न सा माहादिकि कधि यापि ॥ १ ॥
 कुनि आनया जा नरुन या समाक ॥ २ ॥
 ॐ नमो ॥ ३ ॥ आरु य मास जा नरुन रगुनान व
 नसा धन दय अ नम का निरुय ॥ १ ॥ ॐ नमो
 नरुन सा निरुय ॥ २ ॥ नमो
 नरुन सा निरुय ॥ ३ ॥
 नरुन सा निरुय ॥ ४ ॥

20

15

10

5

0

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

वृत्त साधर्म्यं कर्म सत्तया ॥ १ ॥ यत्ननाल वृत्त साधु
 सत्तया ॥ २ ॥ कतिनाल वृत्त साधु ॥ ३ ॥ ना
 मात्तु सत्तया ॥ ४ ॥ कसनाल वृत्त साधु ॥ ५ ॥ दाय
 यत्तु सत्तया ॥ ६ ॥ थिलनाल वृत्त साधु ॥ ७ ॥ धन
 ॥ ८ ॥ धर्मया ॥ ९ ॥ या सनाल वृत्त साधु ॥ १० ॥ सत्तया
 ॥ ११ ॥ सत्तया ॥ १२ ॥ सत्तया ॥ १३ ॥ सत्तया ॥ १४ ॥ सत्तया ॥ १५ ॥ सत्तया ॥ १६ ॥ सत्तया ॥ १७ ॥ सत्तया ॥ १८ ॥ सत्तया ॥ १९ ॥ सत्तया ॥ २० ॥ सत्तया ॥ २१ ॥ सत्तया ॥ २२ ॥ सत्तया ॥ २३ ॥ सत्तया ॥ २४ ॥ सत्तया ॥ २५ ॥ सत्तया ॥ २६ ॥ सत्तया ॥ २७ ॥ सत्तया ॥ २८ ॥ सत्तया ॥ २९ ॥ सत्तया ॥ ३० ॥ सत्तया ॥ ३१ ॥ सत्तया ॥ ३२ ॥ सत्तया ॥ ३३ ॥ सत्तया ॥ ३४ ॥ सत्तया ॥ ३५ ॥ सत्तया ॥ ३६ ॥ सत्तया ॥ ३७ ॥ सत्तया ॥ ३८ ॥ सत्तया ॥ ३९ ॥ सत्तया ॥ ४० ॥ सत्तया ॥ ४१ ॥ सत्तया ॥ ४२ ॥ सत्तया ॥ ४३ ॥ सत्तया ॥ ४४ ॥ सत्तया ॥ ४५ ॥ सत्तया ॥ ४६ ॥ सत्तया ॥ ४७ ॥ सत्तया ॥ ४८ ॥ सत्तया ॥ ४९ ॥ सत्तया ॥ ५० ॥ सत्तया ॥ ५१ ॥ सत्तया ॥ ५२ ॥ सत्तया ॥ ५३ ॥ सत्तया ॥ ५४ ॥ सत्तया ॥ ५५ ॥ सत्तया ॥ ५६ ॥ सत्तया ॥ ५७ ॥ सत्तया ॥ ५८ ॥ सत्तया ॥ ५९ ॥ सत्तया ॥ ६० ॥ सत्तया ॥ ६१ ॥ सत्तया ॥ ६२ ॥ सत्तया ॥ ६३ ॥ सत्तया ॥ ६४ ॥ सत्तया ॥ ६५ ॥ सत्तया ॥ ६६ ॥ सत्तया ॥ ६७ ॥ सत्तया ॥ ६८ ॥ सत्तया ॥ ६९ ॥ सत्तया ॥ ७० ॥ सत्तया ॥ ७१ ॥ सत्तया ॥ ७२ ॥ सत्तया ॥ ७३ ॥ सत्तया ॥ ७४ ॥ सत्तया ॥ ७५ ॥ सत्तया ॥ ७६ ॥ सत्तया ॥ ७७ ॥ सत्तया ॥ ७८ ॥ सत्तया ॥ ७९ ॥ सत्तया ॥ ८० ॥ सत्तया ॥ ८१ ॥ सत्तया ॥ ८२ ॥ सत्तया ॥ ८३ ॥ सत्तया ॥ ८४ ॥ सत्तया ॥ ८५ ॥ सत्तया ॥ ८६ ॥ सत्तया ॥ ८७ ॥ सत्तया ॥ ८८ ॥ सत्तया ॥ ८९ ॥ सत्तया ॥ ९० ॥ सत्तया ॥ ९१ ॥ सत्तया ॥ ९२ ॥ सत्तया ॥ ९३ ॥ सत्तया ॥ ९४ ॥ सत्तया ॥ ९५ ॥ सत्तया ॥ ९६ ॥ सत्तया ॥ ९७ ॥ सत्तया ॥ ९८ ॥ सत्तया ॥ ९९ ॥ सत्तया ॥ १०० ॥ सत्तया ॥

CMS

5

10

15

20

25

30

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

सा० दे० ज० य० ज्ञा० य० गि० व० स० स० श० य० ना० रु० द० य० सु० न०
 ४५ द० य० ॥ १६ ॥ अ० ति० मा० स० ज्ञा० न० रु० न० सु० मा० य० अ० रु० ॥
 १६ न० अ० अ० थ० म० न० न० रि० व० या० अ० थ० रा० ज्ञा० स० न०
 क० व० म० न० ॥ न० रु० न० ॥ ग० स० न० स० स० रा० रु० न० ॥ अ० धि० य०
 वा० स० सु० गि० व० ध० न० हा० नि० ॥ मा० हा० रु० य० न० स० मा० न० दा० न० र०
 हा० म० र० द० वा० र० न० ज० व० रु० थ० क० र्थ० न० मि० न० दि० न० रु० न०
 स० नि० रु० वि० क० ति० अ० स० रा० ग० म० न० क० द० स० न० रु० न० अ० रु०

दे० रा० य० ज्ञा० य० नि० का०
 अ० य० न० य० ॥ १७ ॥

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

ॐ धर्ममयि चरित्या विष्णो नमो लायन आशुता कि
 निकरुयुयवदुलन निमयुयवहागुन ध
 तिनकुरुकेकु रमा वापसा सनकशनसा रकुन
 सा रं उगहनशनसा शुभ गहनशनसा नाकया
 ५० कनग उयानशनसा रमा वापसा अलमआय
 यिठआरुविआ गहनशनसा अलमआनन जो नि
 आमलिङ्करुन इरुकेरु यि सा मसया इइशुनरु
 यि नाकया सकनस वाधिन विडन यिआ मा

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

न सा क द यि अ ज नि दु ख श यि अ क ज न स द
 न सां ग म स द न सां मि र य द यि अ ना जा या वि
 आ ध र यि अ य जा या द ख श यि या द र क ज म सि
 ध यि अ क ल म ड या वि धि वि स ध म ड का द
 या श श नि अ न स द का श्रु यि अ सा न स क अ यि
 यि अ श स मा यि अ सि सा व सा स क अ द म रि नि
 अ मि सा सा क आ य ल क यि अ र मि न य द द धा

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

स० का० यि० अ० व० नि० ज्ञान० अ० म० ग० यि० अ० रु० म० न०
 व० स० स० उ० म० रि० नि० अ० इ० रु० रु० यि० मा० हा० म० रि०
 नि० थ० नि० अ० ल० म० द० या० क० क० रु० न० ॥ १ ॥ रु० ल० रि० ज्ञा०
 अ० नि० मि० ग० मि० न० य० ल० व० शु० य० व० रु० गु० न० अ० स० नि०
 ध० नि० ल० क० य० स० रु० मा० वा० न० सा० म० न० न० रु० न० सा० रु० रु० न० सा०
 रु० उ० म० ह० ल० रु० न० सा० शु० ज० ग० ह० न० रु० न० सा० म० व० न० ना०
 ना० उ० वा० न० रु० न० सा० वा० यि० व० म० द० ग० ह० ल० रु० न० सा० वा० यि० रु० दि० ग० न०
 आ० नि० अ० म० रि० न० इ० रु० क० रु० यि० जा० न० द० क० स० इ० इ० शु० रि० अ०

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

ॐ यो काननं नावनं आदिनं समस्तं लंगकयि ॥ १ ॥
 वसा समस्तं ममयि अ समस्तं भाकया यथा कन विदुन
 अ नाजस विवधयि अ सन कि सि शानस ॥ २ ॥
 नायन वायि अ समस्त भाकया दश वि दशयि अ ॥ ३ ॥
 न भायि वायि वस डया धनि के दन ॥ ४ ॥ धन
 नि ॥ अमृ नाध सन शान अस्त उग्र दध म नि
 न के उ स र उवा वानसा सन गहन म
 गहन कनसा शुभ गहन कनसा

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

...
...
...
...
...
...
...
...
...

सा ध्या शु रु न रि सा हे म ड शु रि
रि रि अ नाय ल स रि रि अ वा क न स न
य अ ल या य स न य रि गु न रु धा न
न सि अ य लि सा रु वि आ स रि शु न
य स न स रि धा र न सा सि सा व
कि र न सा तु आ रि यि का य न का
अ कि न य न क य न स लि अ स म म

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30



20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

